PART-1

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- क्रिस्टोफर कोलम्बस

भाग:-2

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

2. क्रिस्टोफर कोलम्बस (Christopher Columbus)

कोलम्बस अपने 90 नाविक साथियों को लेकर 3 अगस्त 1492 को स्पेन के पालोस (Palos) समुद्र पत्तन से भारत के लिए प्रस्थान किया। उसके जहाजी बेडा में 'सांता मारिया' और दो अन्य

छोटे जहाज 'पिन्टा' और 'नीना' सम्मिलित थे । वह कनारी द्वीपों से होते हुए पश्चिम की ओर आगे बढ़ता गया। 12 अक्टूबर 1492 को वह बहामा के वाल्टिंग द्वीप पहुँचा और वहाँ से दक्षिण की ओर अनेक द्वीपों की खोज की जिनका नाम पश्चिमी द्वीपसमूह (West Indies) रखा गया । वहाँ वह उत्तरी क्यूबा के तट से होता हुआ हिस्पेनीओला (हैटी) पहुँचा। वहाँ बस्ती बसाने के उद्देश्य से अपने 44 साथियों को छोड़कर कोलम्बस ने स्वदेश के लिए प्रस्थान किया। कोलम्बस का विश्वास था कि उसने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज कर ली है क्योंकि वह वेस्ट इंडीज को ही भारत (India) समझ रहा था। कोलम्बस 15 मार्च 1493 को वापस पालोस पहुँचा जहाँ उसकी सफलता से उत्साहित नागरिकों और सरकार ने उसका जोरदार सत्कार किया।

24 सितम्बर 1493 को कोलम्बस पश्चिमी द्वीप समूह के लिए दूसरी यात्रा पर निकला। अबकी बार वह 17 जलयान, लगभग 1500 व्यक्तियों और प्रभूत मात्रा में खाद्य एवं अन्य साम्रगी लेकर निकला था। डोमिनिका, मेरी गेलान्टे, ग्वाडेलुप, एण्टीगुआ, सान्ता क्रूज, पोर्टीरिको, वर्जनि आदि द्वीपों का पता लगाते हुए वह पुनः हस्पेनीओला (हैटी) पहुँचा किन्तु वहाँ बस्ती बसाने में असफल रहा और पास के एक अन्य द्वीप पर प्रथम यूरोपीय बस्ती बसाया जिसका नाम अपनी साम्राज्ञी के नाम पर 'ईसा बेला' रखा। पश्चिम की ओर यात्रा करते हुए वह क्यूबा पहुँचा और उसे ही एशिया महाद्वीप की मुख्य भूमि माना।